

- लिए वायु को झटके के साथ कंठ से बाहर निकालना, खखारना।
- खाँसी स्त्री.** (तद्.) खाँसने की क्रिया, एक रोग, जिसमें फेफड़े से झटके और आवाज के साथ हवा बाहर निकलती है।
- खाइन वि.** (अर.) रुपया खा जाने वाला, बेईमान, खयानत करने वाला, व्यवहार में खोटा।
- खाई स्त्री.** (देश.) किले, परकोटे के चारों ओर रक्षा हेतु खोदी हुई नहर, खंदक, पुच्छ क्षेत्र में सुधारार्थ खोदे जाने वाले गड्ढे।
- खाउबीर वि.** (देश.) दूसरों का माल हड़प जाने वाला।
- खाऊ वि.** (देश.) 1. बहुत खाने वाला, पेटू 2. घूस लेने वाला।
- खाउमीन पुं.** (देश.) मतलब का दोस्त, मतलबी दोस्त, खाने के लिए की जाने वाली दोस्ती।
- खाक स्त्री.** (फा.) 1. धूल, रज, गर्द 2. राख, भस्म 2. मिट्टी, मृत्तिका मुहा. खाक उड़ना- बरबाद होना; खाक उड़ाना- उपहास करना (किसी का); खाक करना- नष्ट करना; खाक का पुतला- आदमी; खाक चाटना-सिर नवाना; खाक छानना- बहुत ढूँढ़ना, मारा-मारा फिरना; खाक डालना- छिपाना, दबाना; खाक में मिलना- बरबाद होना, चौपट होना; खाक में मिलाना- बिगाड़ना, तबाह करना; खाक सिर पर उड़ाना- शोक करना।
- खाकदान पुं.** (फा.) 1. कूड़ाखाना, कूड़ा घर 2. संसार, दुनिया।
- खाकशी पुं.** (फा.) वनस्पति का दाना जो औषधि के काम में प्रयुक्त होता है।
- खाकसार वि.** (फा.) 1. विनीत, विनम्र 2. असहाय, निराश्रित, दीन।
- खाकसीर स्त्री.** (फा.) खूब कलां नामक औषधि।
- खाका पुं.** (फा.) 1. नक्शा, मानचित्र 2. ढाँचा।
- खाकान पुं.** (फा.) 1. सम्राट, महाराज, शहंशाह 2. तुर्की और चीन के पुराने शासकों की उपाधि।

- खाकी वि.** (फा.) 1. मिट्टी के रंग का, मटियाला 2. पुलिस या फौज की मटियाले रंग की बर्दी 3. साधुओं का एक संप्रदाय।
- खाख स्त्री.** (फा.) छेंद, सुराख, मिट्टी, धूल, रज।
- खाग पुं.** (फा.) मुर्गी का अंडा।
- खागना अ.क्रि.** (देश.) 1. चुभना, गड़ना।
- खागीना पुं.** (फा.) अंडे की तरकारी, अंडे का आमलेट।
- खाज स्त्री.** (तद्.) 1. खुजली, खारिश 2. त्वचा में खुजली होने का रोग मुहा. कोढ़ में खाज होना-दुख में दुख बढ़ाना।
- खाजा पुं.** (तद्.) 1. खाद्य पदार्थ, खाने की वस्तु 2. मैदे की बनी मिठाई 3. एक जंगली वृक्ष।
- खाजिक पुं.** (तत्.) 1. भुना हुआ अन्न या धान्य 2. लावा।
- खाजिन पुं.** (अर.) कोषाध्यक्ष, खजांची।
- खाट स्त्री.** (तद्.) चारपाई, खटिया, पलंगड़ी मुहा. खाट पर चढ़ना- बहुत बीमार पड़ना; खाट करना- खाट पर ही मल मूत्र त्याग का प्रबंध होना, सख्त बीमार होना; खाट से उतारा जाना-मरने की समीप होना; खाट से लगना- बहुत बीमार होना स्त्री. (तत्.) अरथी, टिखटी।
- खाट खटोल पुं.** (देश.) खाट खटोला-कपड़ा लत्ता
- खाटी वि.** (देश.) 1. साफ, बिना मिलावट का, निरा 2. पूर्णतया 3. गड़बा, निचली जमीन 4. खट्टी स्त्री. (तत्.) अरथी।
- खाडव पुं.** (तद्.) षाडव, छः स्वरों वाला राग।
- खाड़ी स्त्री.** (तद्.) 1. समुद्र का वह भाग जो तीन ओर थल से घिरा हो, उपसागर 2. अरहर का सूखा और बिना फल पत्ते का पौधा 3. किसी चीज से आखिरी बार निकाला हुआ रंग।
- खात पुं.** (तत्.) 1. खोदा हुआ स्थान 2. तालाब 3. कुआँ, गड़बा 4. वह गड़बा जिसमें खाद बनाने के लिए कूड़ा या मैला जमा किया जाता है 6. मद्य बनाने के लिए रखा हुआ महुए का ढेर वि. (तत्.) 1. खोदा हुआ 2. मैला, गंदा।